स्व. श्री प्रदीप कुमार रामपुरिया स्मृति साहित्य पुरस्कार

1 पृष्ठभूमि :

1.1 – साहित्यकार और हिन्दी के प्रसिद्ध विद्वान बीकानेर निवासी स्व. श्री माणक चन्द जी रामपुरिया ने अपने इकलौते पुत्र श्री प्रदीप कुमार जी रामपुरिया की 22 वर्ष की अल्प आयु में निधन हो जाने पर उनकी स्मृति में सन् 1980 में यह पुरस्कार स्थापित किया।

2. पुरस्कार हेतु पात्रता :

2.1 – साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट लेखन हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। लेख/कृति अभ्यर्थी द्वारा स्व–रचित व मौलिक होना चाहिए।

2.2 – प्रतिभागी विद्वानों के लिए यह आवश्यक होगा कि संदर्भित मौलिकता पमाण पत्र कृति के साथ भिजवाएं।

2.3 – पुरस्कार हेतु किसी भी वर्ग, समुदाय व समाज का व्यक्ति आवेदन कर सकता है।

3. पुरस्कार का स्वरूप : चयनित विद्वान को पुरस्कार स्वरूप श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ की ओर से अभिनंदन पत्र, शॉल एवं 51000 रूपये की राशि का चैक प्रदान किया जाएगा।

4. पुरस्कार की आवृत्ति : वार्षिक

5. चयन पद्धति :

5.1 – पुरस्कार विजेता का चयन तदर्थ गठित चयन समिति द्वारा एवं नियमान्तर्गत किया जाएगा।

5.2 – पुरस्कार समिति का गठन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

6. अन्य नियम :

6.1 – पुरस्कार मूल्यांकन के लिए कृति की मुद्रित प्रतियां अथवा हस्त लिखित पांडुलिपि की 4 प्रतियां भेजनी होगी। पांडुलिपि की 3 प्रतियां आवेदक को अंततः लौटा दी जाएंगी। मुद्रित कृतियां नहीं लौटाई जाएंगी।

6.2 – अप्रकाशित कृति का प्रकाशन पुरस्कार हेतु घोषित अवधि में एवं घोषित विषय परिधि में ही होना चाहिए। संदर्भित प्रकाशन सन् 2009 के पश्चात् ही हुआ हो।

6.3 – अप्रकाशित कृति (पांडुलिपि) की प्रतियां स्पष्ट टंकण की हुई अथवा हस्तलिखित सुवाच्य एवं जिल्दबद्ध होनी चाहिए।

|| जय गुरु नाना || || जय महावीर || || जय गुरु राम ||

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण 1958 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

प्रधान कार्यालय : 'समता भवन' आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड,
गंगाशहर, बीकानेर–334004 (राज.) फोन नं. 0151–2270261 मो. 9602026899
ईमेल : ho@sadhumargi.com वेबसाईट : www.sadhumargi.com

स्व. प्रदीप कुमार रामपुरिया स्मृति–साहित्य पुरस्कार प्रतियोगिता
आवेदन पत्र

मान्यवर,

संघ द्वारा आयोजित उक्त प्रतियोगिता में सम्मिलित करने हेतु मैं अपनी कृति भेज रहा हूं। कृति के संदर्भ में, मैं घोषणा करता हूं कि -

1. यह कृत्ति पूर्णतः मौलिक है, जिसका प्रमाण पत्र संलग्न है।
2. कृत्ति पूर्व में किसी प्रतियोगिता में सम्मिलित अथवा पुरस्कृत नहीं है।
3. कृत्ति का नाम :- ....
4. प्रकाशन का वर्ष :- ....
5. कृत्ति की भाषा :- ....
6. संलग्न प्रकाशित/अप्रकाशित पुस्तकों/पाण्डुलिपियों की संख्या :-........................

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि उपरोक्त जानकारी पूर्णतः सत्य है।

भवदीय

हस्ताक्षर आवेदक

(आवेदक का नाम)

डाक का पूर्ण पता ....

....

....

फोन नं/मोबाईल नं. व्हाट्सऐप नं. ....

|| जय गुरु नाना || || जय महावीर || || जय गुरु राम ||

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण 1958 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)
प्रधान कार्यालय : 'समता भवन' आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड,
गंगाशहर, बीकानेर–334004 (राज.) फोन नं. 0151–2270261 मो. 9602026899
ईमेल : ho@sadhumargi.com वेबसाईट : www.sadhumargi.com

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैनसंघ के अन्तर्गत

स्व. प्रदीप कुमार रामपुरिया स्मृति–साहित्य पुरस्कार प्रतियोगिता

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के अन्तर्गत संचालित स्व. श्री प्रदीपकुमार रामपुरिया स्मृत्ति साहित्य पुरस्कार जैन धर्म, दर्शन, इतिहास, कला एवं संस्कृति तथा जैन साहित्य काव्य कला एवं संस्कृति तथा जैन साहित्य, काव्य, कथा, निबन्ध, नाटक, संस्मरण एवं जीवनी आदि के संबंध में लिखित मौलिक ग्रंथ पर संघ द्वारा 51 हजार रुपये का पुरस्कार, शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र अर्पित किया जाता है।

प्रतियोगिता के लिए निर्धारित नियम निम्न प्रकार हैं :-

1. अन्य संस्थाओं द्वारा पूर्व से पुरस्कृत कृति पर यह पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।
2. पुरस्कार हेतु प्रकाशित/अप्रकाशित(पाण्डुलिपि) दोनों प्रकार की कृत्तियां निर्धारित आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत की जा सकती हैं। आवेदन-पत्र समता भवन, बीकानेर से प्राप्त कर सकते हैं।
3. प्रकाशित कृति का प्रकाशन पुरस्कार हेतु घोषित अवधि में (वर्ष 2009 से पूर्व नहीं) एवं घोषित विशय परिधि में ही होना चाहिए। यानि पुरस्कार हेतु प्रस्तुत कृत्ति का प्रकाशन वर्ष 2009 के पश्चात् होना चाहिए।
4. पुरस्कार मूल्यांकन के लिए कृत्ति की मुद्रित अथवा पाण्डुलिपि की चार प्रतियां नि:शुल्क भेजनी होंगी। पाण्डुलिपि की 3 प्रतियां आवेदक को पुन: लौटा दी जावेगी। मुद्रीत कृत्तियां नहीं लौटाई जावेंगी।
5. अप्रकाशित कृत्ति (पाण्डुलिपि) की प्रतियां स्पष्ट टंकण की हुई अथवा हस्तलिखित सुवाच्य एवं जिल्द बंधी होनी चाहिए।
6. प्रतिभागी विद्धानों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे कृत्ति के संबंध में स्वयं की कृत्ति होने एवं इसके मौलिक होने का प्रमाण पत्र कृत्ति के साथ भेजें।
7. आवेदन की अंतिम तिथि .... है।

निवेदक
संयोजक
स्व. प्रदीपकुमार रामपुरिया स्मृत्ति साहित्य पुरस्कार